

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

## प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. नीचे दिये कुण्डली का अध्ययन कर प्रश्नों का उत्तर दें।  
(क) क्या जातक को जीविका (व्यवसाय) में कठिनाइयों का सामना करना होगा।  
(ख) क्या उसका वैवाहिक संबंध मधुर होगा?  
जन्म 07.4.1947, समय 07:59 बजे, तिरुपति (आ.प्र.)  
जन्म में राहु 12 वर्ष 3 माह 3 दिन, पुरुष  
मेष लग्न-24:48, मीन में सूर्य 23:20, तुला में चंद्र 10:55, मीन में मंगल 3:6, कुम्भ में बुध 25:39, वृश्चिक में बृहस्पति(व) 3:35, कुम्भ में शुक्र 15:23, कर्क में शनि 8:50, वृषभ में राहु 10:13 तथा वृश्चिक में केतु 10:13
2. निम्नलिखित के लिए पांच ज्योतिषीय योग का वर्णन करें।  
(क) उच्च श्रेणी की शिक्षा (ख) पैतृक संपत्ति का आनन्द (ग) विदेश भ्रमण
3. नीचे दिए कुण्डली के लिए दशांश तथा द्वादशांश कुण्डली की रचना कर दशांशों के जातक नौकरी करता है या व्यापार तथा माता पिता के साथ उसके संबंध कैसे है?  
जन्म 24.3.1959, समय 8:20 बजे, स्थान मेरठ, जन्म में सूर्य दशा : 4 वर्ष 8 माह 8 दिन, लग्न:मेष 19:3, मीन में सूर्य 9:26, सिंह में चंद्र 29:36, वृषभ में मंगल 27:12, मीन में बुध(व) 18:32, वृश्चिक में बृहस्पति 8:39, मेष में शुक्र 10:36, धनु में शनि 13:19, कन्या में राहु 19:46, मीन में केतु 19:46
4. नीचे दिए गई कुण्डली का अध्ययन कर ज्योतिषीय तर्कों के द्वारा किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें।  
(क) क्या जातक मंत्री बन सकता है?  
(ख) क्या उसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होगी?  
(ग) क्या उसकी संतान उसके पद चिन्हों पर चलेगी?  
जन्म 12.12.1940, समय 05:30 बजे स्थान 18उ.16 एवं 74पू.36,  
जन्म में दशा शेष शुक्र : 2 वर्ष 11 माह 20 दिन, पुरुष जातक  
लग्न-वृश्चिक 7:20, वृश्चिक-सूर्य 26:47, मेष-चंद्र 24:41, तुला-मंगल 21:02, वृश्चिक-बुध 10:32, मेष-बृहस्पति(व) 13:15, तुला-शुक्र 26:02, मेष-शनि(व) 15:35, कन्या-राहु 15:27, मीन-केतु 15:27
5. प्रश्न 3 में वर्णित जातक की सप्ताश कुण्डली का चित्रण करें तथा बतायें कि

क्या जातक की संताने उसकी व्यवसाय का अनुसरण करेंगे? फलित में सप्ताश की उपयोगिता का वर्णन करें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. वर्ष 2011 (14 अप्रैल 2011, 1300 बजे, दिल्ली) के लिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा कुण्डली की रचना करें तथा भारत में संभावित घटनाओं की भविष्यवाणी करें।
7. कूर्म चक्र क्या है? मेदनीय फलित में इसकी उपयोगिता का वर्णन करें।
8. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।  
(क) रोहिणी वास (ख) मेदनीय फलित के आवश्यक नियम  
(ग) संघट चक्र (घ) कीमती धातुओं के मूल्यों में उतार चढ़ाव
9. भूकम्प के ज्योतिषिय योग बताएं। अभी हाल ही में आए किसी भूकम्प का उदाहरण लेते हुए समझाएं।
10. निम्नलिखित के लिए उदाहरण सहित ज्योतिषीय तर्क दें :-  
(क) रेल दुर्घटना  
(ख) विमान दुर्घटना  
(ग) अग्नि प्रकोप